



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 412] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 21, 1990/भाद्र 30, 1912
No. 412] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 21, 1990/BHADRA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1990

सं. 246/संसा शुल्क/90

सा.का.नि. 803(प्र) के द्वारा कुल्लुवा, मागाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा
25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रमाणित संशोधन हो जाने पर कि

लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 256/87-सीमाशुल्क, तारीख 2 जुलाई, 1987 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) शर्त (viii) में, "आयातकर्ता" शब्द के स्थान पर "जैसा शर्त (xiii) में प्रत्यक्ष उपबोधित है उसके सिवाय, आयातकर्ता" शब्द, कोष्ठक और अक्षर रखे जायेंगे;

(ख) शर्त (x) में निम्नलिखित परन्तु जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

"परन्तु यह कि विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न स्वर्ण के स्वेप, धूल और झाड़न आयात-कर्ता द्वारा सरकारों टैक्साल को मानक स्वर्ण शब्दाकाशों में संपरिवर्तित किये जाने के लिये भेजे जा सकेंगे और इस गवंध में मायाशुल्क कन्ट्रोलर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार उक्त को लौटाया जा सकेगा।

(ग) शर्त (xiii) के पश्चात् निम्नलिखित शर्त अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

"(xiii) उक्त अंत में विनिर्मित रत्न और आभूषणों का, आगत और निर्यात नीति (अप्रैल, 1990-मार्च, 1993) के पैरा 18 के अनुसार दिल्ली और मुम्बई स्थित अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन में प्रत्यान लाउज में स्थापित कुटकर विक्रय केन्द्र या जो रूप को पर्यटक यात्री सामान, नियम, 1978 में परिभाषित ऐसे पर्यटक को, जो भारत छोड़ता है, सीमाशुल्क कन्ट्रोलर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार विक्रय के लिये प्रदाय किया जा सकेगा।"

[सं. 246-सीमाशुल्क/90-फा.सं. 305/38/90-एफटीटी]

एल. श्रीधरकर अवर, सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st September, 1990

NO. 246—CUSTOMS/90

G.S.R. 803(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 256/87-Customs, dated the 2nd July, 1987, namely :—

In the said notification,—

(a) in condition (viii), for the words "the importer", the words, brackets and letters "save as otherwise provided in condition (xiii), the importer" shall be substituted;

- (b) to condition (x), the following proviso shall be added, namely :—
“Provided that scrap, dust or sweepings of gold arising in the manufacturing process may be forwarded to the Government Mint by the importer for conversion into standard gold bars and return to the said Zone in accordance with the procedure specified by the Collector of Customs in this regard;”;
- c) after condition (xiii), the following condition shall be inserted, namely :—

“(xiiia) gem and jewellery manufactured in the said zone may be supplied to the retail outlets or show rooms set up in the departure lounge at international airports at Delhi and Bombay in accordance with para 16 of the Import and Export Policy (April, 1990—March, 1993), for sale to a tourist as defined in the Tourists Baggage Rules, 1978, leaving India, in accordance with the procedure specified by the Collector of Customs;”.

[No. 246—Customs|90—F. No. 305|38|90-FTT.]

L. JAYASEKAR, Under Secy.

